14/04/2024

शामिल विषय (TOPICS COVERED)

1. वायरल हेपेटाइटिस पर WHO अलर्ट क्यों है? (14 अप्रैल) (GS PAPER III: बेसिक साइंस)
2. संपत्ति के प्रकटीकरण पर कानून कैसे विकसित हुआ? (14 अप्रैल) (GS PAPER II: चुनाव सुधार)

IRAQ
KUWAIT
IRAN
AFGHANISTAN
PERSIAN GULF
Strait of Hormuz
BAHRAIN
QATAR
OMAN
PAKISTAN
GULF OF OMAN
UAE
SAUDI ARABIA
OMAN
ARABIAN SEA

वायरल हेपेटाइटिस पर WHO अलर्ट क्यों है? (14 अप्रैल) (GS PAPER III: बेसिक साइंस)

वैश्विक हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024 के निष्कर्ष क्या हैं? भारत में हेपेटाइटिस बी और सी की बीमारी इतनी अधिक क्यों है? क्या शराबी यकृत रोग और गैर-अल्कोहलिक वसायुक्त यकृत रोग जैसे रोग के गैर-वायरल रूपों का बढ़ता प्रचलन बोझ बढ़ा रहा है?

हेपेटाइटिस बी

- एक वायरल संक्रमण जो लीवर पर हमला करता है, जिससे सूजन होती है।

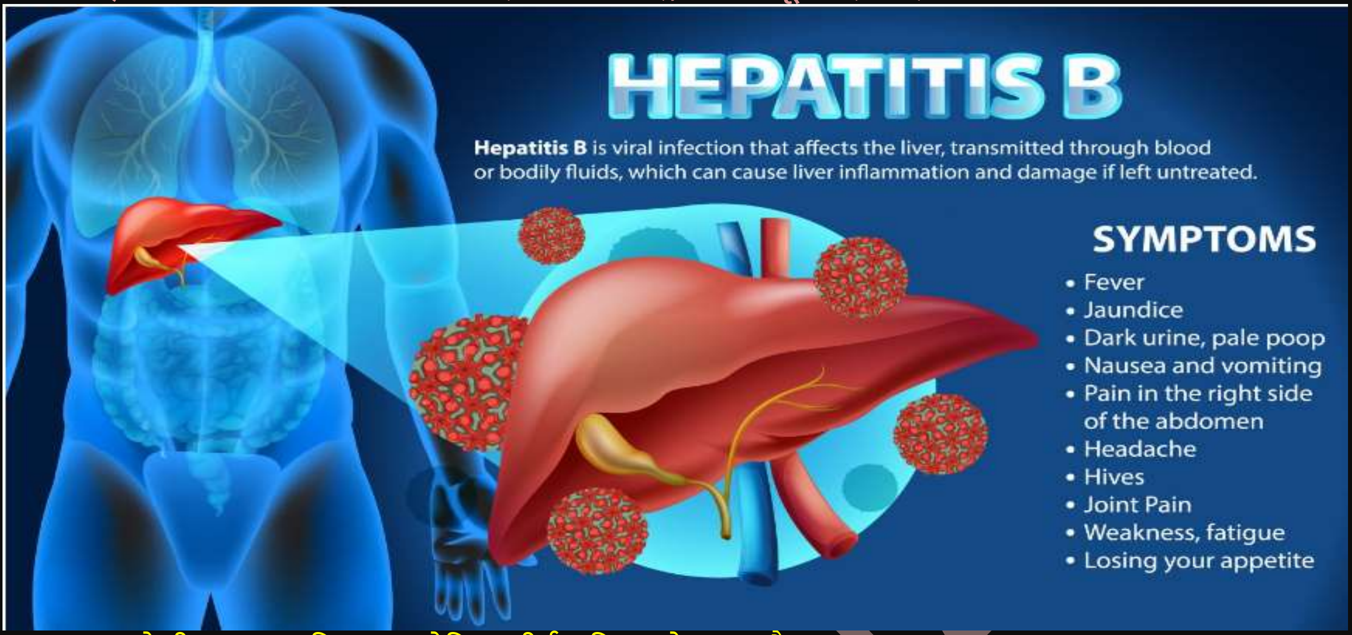
HEPATITIS B
Hepatitis B is viral infection that affects the liver, transmitted through blood or bodily fluids, which can cause liver inflammation and damage if left untreated.
SYMPTOMS
• Fever
• Jaundice
• Dark urine, pale poop
• Nausea and vomiting
• Pain in the right side of the abdomen
• Headache
• Hives
• Joint Pain
• Weakness, fatigue
• Losing your appetite

- या तो तीव्र (अल्पकालिक) या क्रोनिक (दीर्घकालिक) हो सकता है।
- **सिरोसिस (दाग), लीवर कैंसर और लीवर की विफलता** का खतरा काफी बढ़ जाता है ।

ट्रांसमिशन:

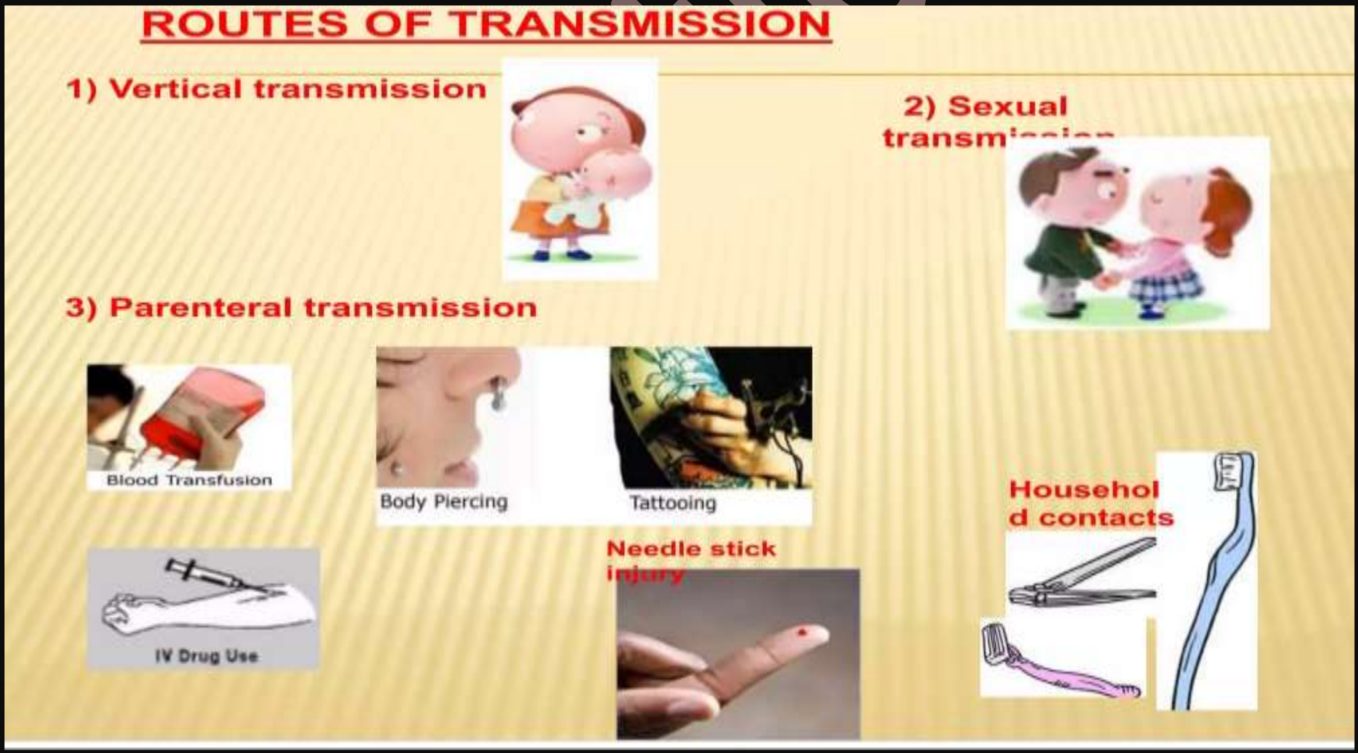
ROUTES OF TRANSMISSION
1) Vertical transmission
2) Sexual transm
3) Parenteral transmission
Blood Transfusion
Body Piercing
Tattooing
Househol d contacts
Needle stick injury
IV Drug Use

- **शारीरिक तरल पदार्थ:** हेपेटाइटिस बी संक्रमित व्यक्तियों के रक्त, वीर्य, योनि तरल पदार्थ और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों में पाया जाता है। संचरण इसके माध्यम से होता है:
    - यौन संपर्क (विशेषकर असुरक्षित)
    - सुई, सीरिंज, या अन्य इंजेक्शन दवा उपकरण साझा करना
    - रक्त से दूषित व्यक्तिगत वस्तुओं को साझा करना (रेजर, टूथब्रश)
    - जन्म (संक्रमित मां से बच्चे में)

लक्षण:

- **तीव्र हेपेटाइटिस बी:** कई लोगों में कोई लक्षण नहीं होते हैं।
- **क्रोनिक हेपेटाइटिस बी:** वर्षों तक कोई लक्षण नहीं दिख सकता है, या हल्के हेपेटाइटिस को आसानी से अन्य स्थितियां समझ लिया जाता है। लक्षण प्रकट होने से पहले लीवर को महत्वपूर्ण क्षति हो सकती है।

निदान:

- **रक्त परीक्षण** हेपेटाइटिस बी वायरस के साथ पिछले या वर्तमान संक्रमण का संकेत देने वाले विशिष्ट मार्करों का पता लगाने के लिए उपयोग किया जाता है।

रोकथाम:

- **टीकाकरण:** सर्वोत्तम सुरक्षा। सभी आयु समूहों के लिए एक सुरक्षित और अत्यधिक प्रभावी टीका उपलब्ध है। टीका श्रृंखला आम तौर पर जन्म से शुरू होती है और कई महीनों में पूरी होती है।
- **सुरक्षित आचरण:**
    - व्यक्तिगत वस्तुएँ साझा करने से बचें
    - सुरक्षित सेक्स का अभ्यास करें.
    - इंजेक्शन के लिए केवल बाँझ सुइयों और सीरिंज का उपयोग करें।

इलाज:

- **तीव्र हेपेटाइटिस बी:** अक्सर किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि शरीर संक्रमण को अपने आप ठीक कर देता है।
- **क्रोनिक हेपेटाइटिस बी:** एंटीवायरल दवाएं वायरस को दबा सकती हैं, लीवर की क्षति की प्रगति को धीमा कर सकती हैं और लीवर कैंसर के खतरे को कम कर सकती हैं। उपचार आजीवन हो सकता है. क्रोनिक हेपेटाइटिस बी वाले व्यक्तियों को डॉक्टर द्वारा नियमित निगरानी की आवश्यकता होती है।

- वैश्विक हेपेटाइटिस बोझ: **वायरल हेपेटाइटिस रोग के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।**
- **डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट:** विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024 जारी की।
- भारत का हिस्सा: **वायरल हेपेटाइटिस रोगों के कुल वैश्विक बोझ का 11.6% है।**
- प्रमुख देश: भारत, बांग्लादेश, चीन, इथियोपिया, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, रूस और वियतनाम के साथ, लगभग **दो-तिहाई हेपेटाइटिस बी और सी का बोझ वहन करता है।**
- यह वैश्विक स्तर पर भारत और अन्य प्रमुख देशों में वायरल हेपेटाइटिस के महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

रिपोर्ट क्या उजागर करती है?

- वायरल हेपेटाइटिस **दुनिया भर में मौत का दूसरा प्रमुख संक्रामक कारण है, जिसमें हर साल 1.3 मिलियन मौतें होती हैं, जो तपेदिक के बराबर है।**
- **मौतों में वृद्धि:** 2019 से 2022 तक, वायरल हेपेटाइटिस से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 1.1 मिलियन से बढ़कर 1.3 मिलियन हो गई।
- **मुख्य कारण:** 83% मौतें हेपेटाइटिस बी के कारण और 17% मौतें हेपेटाइटिस सी के कारण हुईं।

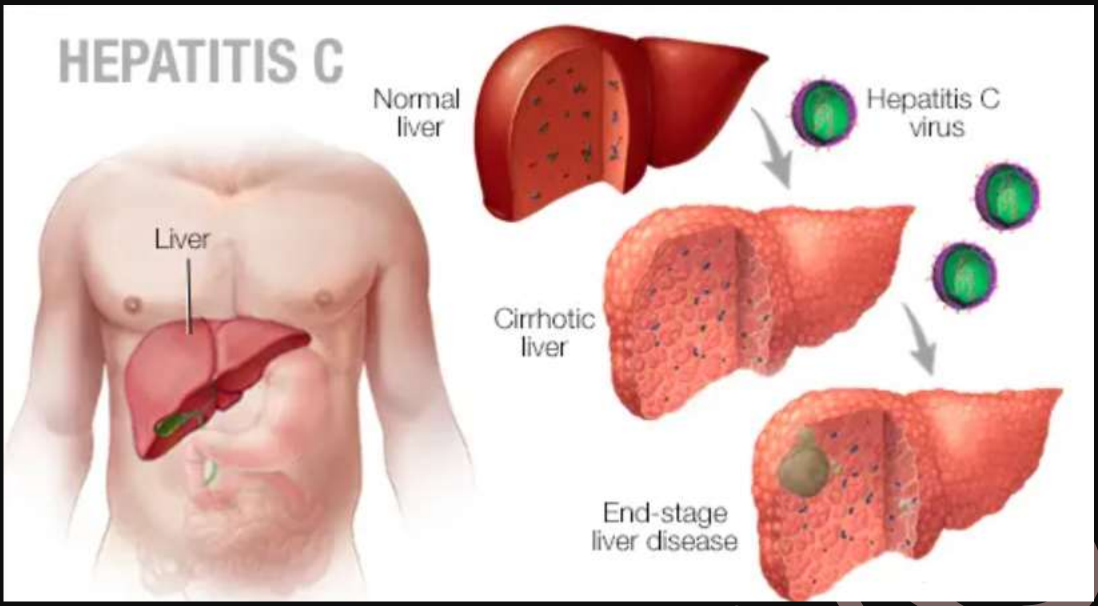

- **दैनिक मौतें:** दुनिया भर में हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण से प्रतिदिन लगभग 3,500 लोग मरते हैं।
- **आयु वितरण** : बोझ का आधा हिस्सा 30-54 आयु वर्ग के व्यक्तियों में है, 12% 18 साल से कम उम्र के बच्चों में है।
- लिंग असमानता: हेपेटाइटिस के सभी मामलों में 58% पुरुष होते हैं।

कारक वायरस :

- **हेपेटाइटिस बी** : हेपेटाइटिस बी वायरस (एचबीवी) के कारण होता है, जो हेपाडनविरिडे परिवार से संबंधित एक डीएनए वायरस है।
- **हेपेटाइटिस सी** : हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) के कारण होता है, जो फ्लेविविरिडे परिवार से संबंधित एक आरएनए वायरस है।

संचरण :

- **हेपेटाइटिस बी** : संक्रमित रक्त, वीर्य या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है। यह प्रसव के दौरान संक्रमित मां से उसके बच्चे में भी फैल सकता है।
- **हेपेटाइटिस सी** : मुख्य रूप से संक्रमित रक्त के संपर्क से फैलता है। संचरण के सामान्य तरीकों में इंजेक्शन दवा उपयोगकर्ताओं के बीच सुई या सिरिंज साझा करना, दूषित रक्त संक्रमण या अंग प्रत्यारोपण प्राप्त करना, और आमतौर पर यौन संपर्क के माध्यम से या बच्चे के जन्म के दौरान संक्रमित मां से उसके बच्चे को शामिल करना शामिल है।

तीव्र बनाम जीर्ण संक्रमण :

- **हेपेटाइटिस बी** : संक्रमण तीव्र (अल्पकालिक) या दीर्घकालिक (दीर्घकालिक) हो सकता है। अधिकांश वयस्कों में संक्रमण के छह महीने के भीतर वायरस ख़त्म हो जाता है, लेकिन लगभग 5-10% में क्रोनिक हेपेटाइटिस बी विकसित हो जाता है, जो सिरोसिस या लिवर कैंसर जैसी गंभीर यकृत समस्याओं का कारण बन सकता है।
- **हेपेटाइटिस सी** : संक्रमण आमतौर पर क्रोनिक हो जाता है, लगभग 75-85% लोगों में क्रोनिक हेपेटाइटिस सी विकसित हो जाता है। क्रोनिक संक्रमण से समय के साथ लिवर को नुकसान हो सकता है, जिससे सिरोसिस, लिवर फेलियर या लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

इलाज :

- **हेपेटाइटिस बी** : उपचार का उद्देश्य लक्षणों को प्रबंधित करना और जटिलताओं के जोखिम को कम करना है। एंटेकाविर और टेनोफोविर जैसी एंटीवायरल दवाएं आमतौर पर पुराने मामलों में वायरस को दबाने के लिए उपयोग की जाती हैं। कुछ मामलों में, लीवर प्रत्यारोपण आवश्यक हो सकता है।

- **हेपेटाइटिस सी** : हेपेटाइटिस सी को अक्सर डायरेक्ट-एक्टिंग एंटीवायरल (डीएए) नामक एंटीवायरल दवाओं से ठीक किया जा सकता है। इन दवाओं में उच्च इलाज दर होती है, आमतौर पर 95% से अधिक, और एक निर्दिष्ट अवधि (आमतौर पर 8 से 12 सप्ताह) के लिए ली जाती है।

टीकाकरण :

- **हेपेटाइटिस बी** : हेपेटाइटिस बी संक्रमण को रोकने के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध है। इसमें कई महीनों तक दिए जाने वाले शॉट्स की एक श्रृंखला शामिल होती है और इसे जन्म के समय सभी शिशुओं और संक्रमण के बढ़ते जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए अनुशंसित किया जाता है।
- **हेपेटाइटिस सी** : वर्तमान में, हेपेटाइटिस सी के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं है। रोकथाम उन व्यवहारों से बचने पर केंद्रित है जो संचरण का कारण बन सकते हैं, जैसे सुई साझा करना या किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाना।

हेपेटाइटिस क्या है?

- यह संक्रामक वायरस और गैर-संक्रामक एजेंटों के कारण होने वाली यकृत की सूजन है।
- **प्रकार:** पाँच मुख्य उपभेद हैं: ए, बी, सी, डी, और ई, **प्रत्येक संचरण, गंभीरता और वितरण में भिन्न हैं।**
- **स्थायी बीमारी:** प्रकार बी और सी से पुरानी बीमारी, लीवर सिरोसिस, लीवर कैंसर और वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित मौतें हो सकती हैं।
- एक अनुमान के मुताबिक **दुनिया भर में 354 मिलियन लोग हेपेटाइटिस बी या सी से पीड़ित हैं** , जिसका इलाज अक्सर संभव नहीं हो पाता है।

भारत असुरक्षित क्यों है?

- हेपेटाइटिस के मामलों की अधिक संख्या के कारण:
    - उच्च जनसंख्या घनत्व
    - लक्षण, जांच और उपचार के बारे में जागरूकता की कमी
    - अच्छी स्वच्छता प्रथाओं तक सीमित पहुंच
- क्रोनिक वायरल हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण का उच्च प्रसार:
    - अक्सर दशकों तक लक्षण रहित
    - व्यापक जांच और जागरूकता की कमी के कारण मामलों का निदान नहीं हो पाता है
    - अज्ञात मामले संचरण को बढ़ावा देते हैं, जिससे बीमारी का बोझ बढ़ता है
- हेपेटाइटिस के बढ़ते गैर-वायरल रूप:
    - अल्कोहलिक लिवर रोग (एएलडी) और नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) बढ़ रहे हैं
    - शहरी क्षेत्रों में शराब की अधिक खपत एएलडी मामलों में योगदान करती है
    - मोटापा, चयापचय संबंधी विकार, गतिहीन जीवन शैली और आहार परिवर्तन एनएएफएलडी महामारी को बढ़ावा देते हैं
- लिंग असमानता:
    - उच्च जोखिम वाले व्यवहार के कारण पुरुष बड़ी संख्या में मामलों की रिपोर्ट करते हैं

- उच्च जोखिम वाले व्यवहारों में IV नशीली दवाओं का उपयोग, इंजेक्शन साझा करना, एकाधिक यौन साथी और पुरुष-से-पुरुष यौन संबंध शामिल हैं

इसकी रोकथाम कैसे की जा सकती है?

- हेपेटाइटिस बी को टीकाकरण से रोका जा सकता है।
- हेपेटाइटिस सी का इलाज दवा से संभव है।
- भारत जेनेरिक दवाओं का उत्पादन करता है, जिससे इलाज की लागत कम हो जाती है।
- सरकार उच्च जोखिम वाले वयस्कों को टीके प्रदान करती है।
- हेपेटाइटिस बी और सी का इलाज राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) के तहत उपलब्ध है। इसे भारत सरकार द्वारा 28 जुलाई, 2018 को लॉन्च किया गया था।
- एनवीएचसीपी का उद्देश्य रोगियों को मुफ्त निदान और उपचार सेवाएं प्रदान करना, वायरल हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।
- हेपेटाइटिस बी का टीका 2002-2003 में शुरू हुआ।
- क्रोनिक हेपेटाइटिस बी का टीका 2011-12 में बचपन के टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया।

रिपोर्ट क्यों महत्वपूर्ण है?

- यह रिपोर्ट वायरल हेपेटाइटिस पर WHO की पहली व्यापक रिपोर्ट है।
- इसमें **187 देशों का डेटा शामिल है** बीमारी के बोझ और सेवा कवरेज पर।
- **वैश्विक स्तर पर क्रोनिक हेपेटाइटिस बी से पीड़ित केवल 13% लोगों का निदान किया गया था** ।
- **2022 तक** लगभग 3% (7 मिलियन) लोगों को हेपेटाइटिस बी के लिए एंटीवायरल थेरेपी प्राप्त हुई।
- हेपेटाइटिस सी के लिए, 36% का निदान किया गया, और 20% (12.5 मिलियन) को उपचारात्मक उपचार प्राप्त हुआ।
- ये आंकड़े 2030 के वैश्विक लक्ष्य से काफी नीचे हैं, जिसका लक्ष्य **हेपेटाइटिस बी और सी के 80% मामलों का इलाज करना है।**
- हालाँकि, 2019 के बाद से निदान और उपचार कवरेज में थोड़ा सुधार हुआ है।

आगे का रास्ता क्या है?

- **माँ से बच्चे में संचरण** नए हेपेटाइटिस संक्रमण का एक प्रमुख कारण है।
- भारत में हेपेटाइटिस बी को खत्म करने के लिए **व्यापक उपचार, नवजात शिशुओं के टीकाकरण और रोगियों के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करने की आवश्यकता है।**
- **कई देश सस्ती जेनेरिक हेपेटाइटिस दवाएं खरीदने में विफल रहते हैं।**
- **मूल्य निर्धारण असमानताएँ** WHO क्षेत्रों में और उसके भीतर दोनों जगह मौजूद हैं।
- हेपेटाइटिस के लिए सेवा वितरण केंद्रीकृत और लंबवत रहता है, जिससे रोगियों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है।
- रिपोर्ट में हेपेटाइटिस के प्रति सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और 2030 तक महामारी को समाप्त करने की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए कार्यों की रूपरेखा दी गई है।
- इन कार्रवाइयों में परीक्षण और निदान तक पहुंच का विस्तार करना, न्यायसंगत उपचार के लिए नीतियों को लागू करना, रोकथाम के प्रयासों को मजबूत करना और वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर वित्त पोषण में सुधार करना शामिल है।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है? (यूपीएससी 2019)

(ए) हेपेटाइटिस बी वायरस एचआईवी की तरह ही फैलता है।
(बी) हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी के विपरीत, कोई टीका नहीं है।
(सी) विश्व स्तर पर, हेपेटाइटिस बी और सी वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या एचआईवी से संक्रमित लोगों की तुलना में कई गुना अधिक है।
(डी) हेपेटाइटिस बी और सी वायरस से संक्रमित कुछ लोगों में कई वर्षों तक लक्षण दिखाई नहीं देते हैं।

संपत्ति के प्रकटीकरण पर कानून कैसे विकसित हुआ? (14 अप्रैल) (GS PAPER II: चुनाव सुधार)

सुप्रीम कोर्ट का फैसला क्या है? इससे कौन सा सिद्धांत निकलता है? संपत्तियों की चूक के लिए जुर्माना क्या है?

- हाल के घटनाक्रमों ने चुनाव कानून में उम्मीदवारों के लिए प्रकटीकरण मानदंडों पर प्रकाश डाला है।
- **तिरुवनंतपुरम लोकसभा क्षेत्र** में भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर शामिल हैं , जो कथित तौर पर अनिवार्य हलफनामे में अपनी सभी संपत्तियों की जानकारी देने में विफल रहे।
- एक अन्य घटना में **सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी शामिल है** (***लोक प्रहरी बनाम भारत संघ और अन्य*** **मामले, 2015 में)** **उम्मीदवारों को निजता का अधिकार है और उन्हें हर छोटी-मोटी जानकारी का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है।**

खुलासे से जुड़ा कानून क्या है?

- 2002 में, सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले **(एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (यूओआई)" (2002) में)** ने आदेश दिया कि संभावित उम्मीदवार अपने आपराधिक इतिहास, शैक्षिक योग्यता और संपत्ति और देनदारियों का खुलासा करें, जिनमें वे भी शामिल हैं। उनके जीवनसाथी और आश्रित।
- भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने इस फैसले को लागू करने के लिए जून 2002 में नियम जारी किए।
- हालाँकि, केंद्र सरकार ने **अगस्त 2002 में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन करने वाले एक अध्यादेश के माध्यम से इन खुलासों को सीमित करने का प्रयास किया।**
- इस संशोधन में **धारा 33ए (लंबित आपराधिक मामलों के खुलासे से संबंधित), धारा 33बी (जिसने अधिनियम में निर्धारित से परे अतिरिक्त खुलासे को रद्द कर दिया), और धारा 125ए (खुलासा करने में विफलता या गलत खुलासे के लिए जुर्माना लगाना) पेश किया गया।**
- अध्यादेश और उसके बाद के संशोधन को अदालत में चुनौती दी गई।
- **13 मार्च 2003 को, सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति और देनदारियों और शैक्षिक योग्यताओं के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताओं को बहाल करते हुए धारा 33बी को रद्द कर दिया।**
- ईसीआई ने अदालत के फैसले के आधार पर संशोधित निर्देश और प्रकटीकरण प्रारूप जारी किए।

किसी भी चूक के परिणाम क्या हैं?

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125ए उन उम्मीदवारों के लिए दंड का प्रावधान करती है जो आवश्यक जानकारी का खुलासा करने में विफल रहते हैं या गलत जानकारी प्रदान करते हैं या प्रासंगिक विवरण छिपाते हैं।
- जुर्माने में छह महीने की जेल की सजा, जुर्माना या दोनों शामिल हैं।
- खुलासा करने में विफलता या गलत जानकारी प्रदान करने पर किसी उम्मीदवार के चुनाव को उच्च न्यायालय में कानूनी चुनौती भी दी जा सकती है।
- ऐसी चुनौतियों से संबंधित दो आधार अधिनियम की धारा 100 में उल्लिखित हैं।
- यदि "किसी नामांकन की अनुचित स्वीकृति" या "संविधान या इस अधिनियम के प्रावधानों या इस अधिनियम के तहत बनाए गए किसी भी नियम या आदेश का अनुपालन न किया गया हो तो चुनाव को शून्य घोषित किया जा सकता है।"
- असफल उम्मीदवार छुपाने या गलत जानकारी के आधार पर विजयी उम्मीदवार के नामांकन की स्वीकृति का विरोध कर सकते हैं और वैधानिक प्रकटीकरण आवश्यकताओं के संभावित उल्लंघन के बारे में चिंता जता सकते हैं।

नवीनतम अदालती फैसला क्या है?

- कारिखो क्रि ने 2019 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में एक सीट जीती।
- उनका चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार नुनी ने लड़ा था तायांग ।
- तायांग ने दावा किया कि क्रि ने अपनी चल संपत्ति, विशेष रूप से अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर पंजीकृत वाहनों का पूरी तरह से खुलासा नहीं किया है।
- **नूनी** " में **तायांग बनाम कारिखो क्रि" (2019) मामले में** , असम, नागालैंड, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के उच्च न्यायालय ने तायांग के पक्ष में फैसला सुनाया , और क्रि के चुनाव को शून्य घोषित कर दिया।
- **सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि संपत्ति का खुलासा न करने से चुनाव परिणाम पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।**
- यह पाया गया कि विचाराधीन वाहन चुनाव से पहले बेचे गए या उपहार में दिए गए थे, और क्रि के पास सरकारी आवास से संबंधित कोई बकाया नहीं था।
- क्रि ने पिछला चुनाव लड़ते समय 2014 में "नो ड्यूज़" प्रमाणपत्र प्रदान किया था, और 2019 की नामांकन प्रक्रिया के दौरान भी इसी तरह का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया गया था।

फैसले से क्या निष्कर्ष निकला?

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उम्मीदवारों को मतदाताओं को अपने जीवन के हर विवरण का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है।**
- **इसमें जोर दिया गया कि उम्मीदवारों को केवल महत्वपूर्ण चल संपत्ति या वस्तुओं का खुलासा करने की आवश्यकता है जो उनकी जीवनशैली को दर्शाती हैं और मतदाताओं के लिए रुचिकर हो सकती हैं।**
- **हालाँकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि पर्याप्त चूक के लिए कोई निश्चित नियम नहीं है, और यह प्रत्येक मामले की परिस्थितियों पर निर्भर करता है।**
- निर्णय में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि मतदाता के जानने के अधिकार की सीमाएँ हैं और यह उम्मीदवार के जीवन के हर छोटे विवरण तक विस्तारित नहीं होता है।

मुख्य अभ्यास प्रश्न: GS PAPER II: चुनाव सुधार

सवाल: भारत में चुनावी प्रक्रियाओं में संपत्ति के प्रकटीकरण पर कानून के विकास पर चर्चा करें। उन प्रमुख न्यायिक हस्तक्षेपों और विधायी उपायों की जांच करें जिन्होंने वर्तमान कानूनी ढांचे को आकार दिया है। (250 शब्द/15 अंक)

उत्तर दृष्टिकोण

- भारत में चुनावी प्रक्रियाओं में संपत्ति के प्रकटीकरण पर कानून के विकास द्वारा उत्तर का संक्षेप में परिचय दें।
- आगे चूक या गलत प्रकटीकरण के परिणामों पर चर्चा करें।
- फिर नूनी ले आओ तायांग बनाम कारिखो क्रि" (2019) मामला और इसके निहितार्थ:
- अंत में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और चुनावी निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए प्रकटीकरण मानदंडों की निरंतर समीक्षा और परिशोधन के महत्व पर जोर देते हुए अपनी बात समाप्त करें।

उत्तर

भारत में चुनावी प्रक्रियाओं में संपत्ति के प्रकटीकरण पर कानून का विकास शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्षों से, न्यायिक हस्तक्षेप और विधायी उपायों ने वर्तमान कानूनी ढांचे को आकार दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मतदाताओं को चुनाव में खड़े उम्मीदवारों के बारे में आवश्यक जानकारी तक पहुंच हो।

संपत्ति के प्रकटीकरण पर कानून का विकास:

- यह यात्रा "एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (यूओआई)" (2002) में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के साथ शुरू हुई, जिसमें संभावित उम्मीदवारों को अपने आपराधिक इतिहास, शैक्षिक योग्यता और संपत्ति और देनदारियों का खुलासा करना अनिवार्य था। उनके जीवनसाथी और आश्रितों के।
- भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बाद में इन प्रकटीकरण आवश्यकताओं को लागू करने के लिए जून 2002 में नियम जारी किए।
- हालाँकि, केंद्र सरकार द्वारा विधायी संशोधनों के माध्यम से खुलासे को सीमित करने के प्रयासों को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

चूक या गलत प्रकटीकरण के परिणाम:

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125ए, आवश्यक जानकारी का खुलासा करने में विफल रहने या गलत जानकारी प्रदान करने वाले उम्मीदवारों के लिए दंड का प्रावधान करती है।
- इन दंडों में छह महीने की जेल की सजा, जुर्माना या दोनों शामिल हैं।
- इसके अलावा, खुलासा करने में विफलता या गलत जानकारी प्रदान करने से अधिनियम की धारा 100 में उल्लिखित आधारों के आधार पर, किसी उम्मीदवार के चुनाव को उच्च न्यायालय में कानूनी चुनौती दी जा सकती है।

नवीनतम न्यायालय निर्णय और उसके निहितार्थ:

- नूनी " के मामले में तायांग बनाम कारिखो क्रि" (2019), उच्च न्यायालय ने तायांग के पक्ष में फैसला सुनाया , और चल संपत्ति का खुलासा न करने के कारण क्रि के चुनाव को शून्य घोषित कर दिया।
- हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया, और इस बात पर जोर दिया कि उम्मीदवारों को अपने जीवन के हर विवरण को मतदाताओं के सामने प्रकट करने की आवश्यकता नहीं है।
- फैसले ने उम्मीदवारों के गोपनीयता अधिकारों का सम्मान करते हुए मतदाताओं को महत्वपूर्ण चल संपत्ति या रुचि की वस्तुओं का खुलासा करने के महत्व को रेखांकित किया।

चुनावी प्रक्रियाओं में संपत्ति के प्रकटीकरण पर कानून का विकास शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जबकि न्यायिक हस्तक्षेप और विधायी उपायों ने

PatriotIAS

प्रकटीकरण मानदंडों को बढ़ाया है, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पारदर्शिता और उम्मीदवारों के गोपनीयता अधिकारों के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने और चुनावी अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रकटीकरण मानदंडों की निरंतर समीक्षा और परिशोधन आवश्यक है।

विश्व का पहला सामान्य प्रयोजन कंप्यूटर

(14 अप्रैल)

प्रस्तुत किया गया , जो आगे चलकर दुनिया का पहला सामान्य प्रयोजन कंप्यूटर बन गया । ASGanesh ENIAC और इसे बनाने वाली महिलाओं और पुरुषों पर एक नज़र डालता है...

ENIAC

- **इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल इंटीग्रेटर एंड कंप्यूटर** (ENIAC) **पहला प्रोग्रामेबल, इलेक्ट्रॉनिक, सामान्य प्रयोजन वाला डिजिटल कंप्यूटर था।**
- **ऐतिहासिक महत्व:** एक ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि जिसने आधुनिक कंप्यूटर के लिए मार्ग प्रशस्त किया।

महत्वपूर्ण तथ्यों:

- **परियोजना विकास:** अमेरिकी सेना द्वारा वित्त पोषित और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के मूर स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में निर्मित।
- **विकास दल:** मुख्य रूप से जे. प्रेस्पर एकर्ट और जॉन मौचली के नेतृत्व में, कई अन्य लोगों के महत्वपूर्ण योगदान के साथ।
- **समय अवधि:** निर्माण 1943 में शुरू हुआ और 1945 में पूरा हुआ। फरवरी 1946 में सार्वजनिक रूप से अनावरण किया गया।
- **उद्देश्य:** प्रारंभ में **द्वितीय विश्व युद्ध के लिए तोपखाने फायरिंग टेबल की गणना करने के लिए विकसित किया गया था।**

तकनीकी क्षमताएँ:

- **इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल:** तेज़ गणना के लिए वैक्यूम ट्यूबों का उपयोग किया जाता है, जो अपने समय के इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कंप्यूटरों से एक क्रांतिकारी बदलाव है।
- **प्रोग्राम करने योग्य:** एकल प्रयोजनों के लिए डिज़ाइन की गई पिछली मशीनों के विपरीत, विभिन्न गणनाओं के लिए पुन: कॉन्फ़िगर किया जा सकता है।
- **गणना:** मुख्य रूप से जोड़ और घटाव के साथ-साथ गुणा, भाग और वर्गमूल संचालन किया जाता है।

भौतिक विशेषताएं:

- **विशाल:** एक बड़ा कमरा भरा हुआ था और इसका वजन लगभग 30 टन था।
- **हजारों घटक:** लगभग 17,468 वैक्यूम ट्यूब, 7,200 क्रिस्टल डायोड, 10,000 कैपेसिटर, और कई प्रतिरोधक और रिले।

परंपरा:

- **तकनीकी सफलता:** बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटिंग की व्यवहार्यता और क्षमता का प्रदर्शन किया।
- **भविष्य के कंप्यूटरों के लिए फाउंडेशन:** ENIAC के डिज़ाइन सिद्धांतों ने बाद के कंप्यूटरों के विकास को प्रभावित किया, जिससे कंप्यूटर क्रांति की शुरुआत हुई।

- "कंप्यूटर" शब्द मूल रूप से गणना करने वाले मनुष्यों को संदर्भित करता है।
- इसका वह अर्थ नहीं था जिसे हम आज आधुनिक कंप्यूटर से जोड़ते हैं।
- अर्थ में बदलाव 100 साल से भी कम समय पहले हुआ था।

सैन्य आवश्यकता

- 20वीं सदी में, मानव कंप्यूटर जटिल गणित समीकरणों को हल करने के लिए टीमों में काम करते थे।
- 1920 के दशक में बैलिस्टिक गणनाओं के लिए अंतर समीकरणों को स्वचालित रूप से हल करने के लिए विभेदक विश्लेषक विकसित किए गए थे।
- हालाँकि, इन उपकरणों के साथ काम करना कठिन था।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, मित्र देशों की सेना को उत्तरी अफ्रीका में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, अपरिचित इलाके के कारण नई फायरिंग टेबल की आवश्यकता थी।
- जैसे-जैसे अनुरोध कम्प्यूटेशनल क्षमताओं से अधिक होते गए, फायरिंग टेबल का बैकलॉग बढ़ता गया।
- एक सैन्य आपातकाल ने इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल गणना में प्रयोग को प्रेरित किया।
- भौतिक विज्ञानी जॉन विलियम मौचली और इंजीनियर जॉन एडम प्रेस्पर एकर्ट जूनियर ने इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर विकसित करने के अवसर का लाभ उठाया।

मेमो एक प्रस्ताव में बदल जाता है

- मौचली और एकर्ट 1941 में मूर स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मिले और इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटिंग पर चर्चा की।
- मौचली ने 1942 में "गणना में वैक्यूम ट्यूब उपकरणों का उपयोग" शीर्षक से एक पांच पेज का ज्ञापन लिखा था।
- मेमो को "इलेक्ट्रॉनिक डिफ. एनालाइज़र" के प्रस्ताव में तेजी से शामिल किया गया और अप्रैल 1943 की शुरुआत में बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला को प्रस्तुत किया गया।
- अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक अधिक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- मई में एक समझौता हुआ और जून की शुरुआत में एक अनुबंध तैयार किया गया।
- ENIAC को साकार होने से पहले कई तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- युद्ध प्रयास के लिए कल्पना किए जाने के बावजूद, मशीन द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही पूरी हुई।

ENIAC छह

- छह महिलाएँ, जो पहले कंप्यूटर के रूप में काम करती थीं, ENIAC की प्रोग्रामिंग में महत्वपूर्ण थीं।
- उनके नाम कैथलीन एंटोनेली, जीन बार्टिक, फ्रांसिस "बेट्टी" होल्बर्टन, मार्लिन मेल्टज़र, फ्रांसिस स्पेंस और रूथ टीटेलबाम थे।
- उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, उनकी कहानियाँ हाल के दशकों तक काफी हद तक भुला दी गईं।
- उन्हें ENIAC की 50वीं वर्षगांठ पर आमंत्रित नहीं किया गया था।
- उनके काम की वर्गीकृत प्रकृति के कारण, प्रोग्रामर के पास केवल ब्लूप्रिंट तक पहुंच थी और उन्हें ENIAC के समान कमरे में रहने की अनुमति नहीं थी।

- इंजीनियरों के साथ योजनाबद्धता और साक्षात्कार का उपयोग करके, महिलाओं ने एल्गोरिदम डिजाइन करना और गणना के लिए ENIAC को समायोजित करना सीखा।
- वे ENIAC के साथ समस्याओं का निदान करने में भी कुशल हो गए।

प्रति सेकंड 5,000 जोड़ और 300 गुणा

- ENIAC को 17,000 से अधिक वैक्यूम ट्यूबों के साथ बनाया गया था और इसका वजन 27,000 किलोग्राम से अधिक था।
- इसमें 1,500 वर्ग फुट का एक कमरा था।
- 14 फरवरी, 1946 को जनता के लिए अनावरण किया गया, यह प्रति सेकंड 5,000 जोड़ और 300 गुणा कर सकता था।
- आज के मानकों से धीमी होने के बावजूद, यह उस समय की किसी भी मौजूदा मशीन की तुलना में काफी तेज़ थी और मानव कंप्यूटर की तुलना में लगभग 10,000 गुना तेज़ थी।
- युद्ध के बाद, ENIAC का उपयोग सेना द्वारा विभिन्न गणनाओं के लिए किया गया था, जिसमें हाइड्रोजन बम के डिजाइन, मौसम की भविष्यवाणी और यादृच्छिक संख्या अध्ययन शामिल थे।
- 2 अक्टूबर 1955 को आखिरी बार डिस्कनेक्ट होने तक यह लगभग 10 वर्षों तक निरंतर संचालन में रहा।

संयुक्त परिवार की खुशियाँ और चुनौतियाँ (14 अप्रैल) (GS PAPER I: समाज)

दादा-दादी के साथ घर में बड़ा होना वास्तव में एक विशेषाधिकार हो सकता है

- संयुक्त परिवार में, दादा-दादी की अक्सर महत्वपूर्ण भूमिकाएँ होती हैं, आमतौर पर दादी घरेलू निर्णय लेती हैं जबकि दादा सांसारिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- इस परिवार में खाना पकाने, खरीदारी, परंपराओं का पालन करने और रिश्तों को बनाए रखने के संबंध में दादी ही प्राथमिक निर्णय लेने वाली होती हैं।
- दूसरी ओर, दादा आमतौर पर वित्तीय मामलों में शामिल होते हैं और अपने बेटों को परिवार के पेशे, जैसे खेती या व्यवसाय में तैयार करते हैं।
- वर्णनकर्ता की दादी की शादी लगभग 12 वर्ष की कम उम्र में हो गई थी, और गौना नामक प्रथा का पालन करते हुए दो साल बाद वह अपने पति के घर चली गईं ।
- कम उम्र में शादी के बावजूद, दादी ने अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियाँ अच्छी तरह से संभालीं और यहाँ तक कि खेतों में कृषि कार्यों की भी निगरानी कीं।
- दंपति के कई बच्चे थे, पहला बच्चा तब पैदा हुआ जब दादी लगभग 16 साल की थीं।
- अपनी अलग-अलग भूमिकाओं के बावजूद, दादा-दादी एक-दूसरे का सम्मान करते थे, और वर्णनकर्ता ने उन्हें कभी झगड़ा करते या तीखी बहस करते नहीं सुना।
- उन्होंने मतभेदों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया, और दादाजी अक्सर महत्वपूर्ण मामलों पर दादी से सलाह लेते थे।
- गाँव में दादी का बहुत सम्मान किया जाता था और अन्य महिलाएँ व्यक्तिगत और पारिवारिक मामलों पर उनसे सलाह लेती थीं।
- पारिवारिक समारोहों के दौरान खाना पकाने की मात्रा का उनका अनुमान हमेशा सटीक होता था।

- वर्णनकर्ता की दादी और माँ के बीच मिश्रित संबंध थे, कभी-कभार असहमति होती थी लेकिन अंततः वे आगे बढ़ जाते थे।
- परिवार में चार भाई-बहन, दो लड़कियाँ और दो लड़के थे, कथावाचक छोटी बेटी थी।
- जब वर्णनकर्ता स्कूल के अंतिम वर्ष में था तब दादाजी का निधन हो गया, जिससे दादी घर में मुखिया बन गईं।
- समय के साथ, बच्चों की शादी हो जाने और माँ सास बन जाने के कारण दादी का अधिकार कम हो गया।
- पिता ने मां को शांति के लिए दादी की अनुचित मांगों को नजरअंदाज करने की सलाह दी.
- उम्र और परिवार की बदलती गतिशीलता के साथ, दादी ने युवा पीढ़ी, विशेषकर अपने पोते के अधिकार को पहचानना शुरू कर दिया।
- उम्र बढ़ने और पैर में फ्रैक्चर और आंखों की रोशनी कम होने जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद, दादी कुछ बदलावों को स्वीकार करने में अनिच्छुक रहीं, जैसे आरामदायक कपड़े पहनना या चश्मा लगाना।
- बुढ़ापा महसूस होने से बचने के लिए वह चश्मे के बजाय कॉन्टैक्ट लेंस को प्राथमिकता देती थीं।

आईआरजीसी (IRGC) | क्रांति के संरक्षक (14 अप्रैल) (GS PAPER II: आईआर (IR))

ईरान की विशिष्ट सैन्य शाखा, जिसने इस्लामी गणराज्य को मिलिशिया के नेटवर्क के माध्यम से पूरे पश्चिम एशिया में अपना प्रभाव फैलाने में मदद की है, दबाव में है क्योंकि हाल के महीनों में सीरिया में कथित इजरायली हवाई हमलों में इसके कई शीर्ष कमांडर मारे गए थे।

- जनरल मोहम्मद रज़ा ज़ाहेदी कुद्स फोर्स के एक उच्च पदस्थ कमांडर थे , **जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एक शाखा थी, जो ईरान के बाहर ऑपरेशन पर केंद्रित थी।**
- वह सैन्य मामलों में अनुभवी थे, ईरान-इराक युद्ध में सेवा दे चुके थे और कुद्स फोर्स के पूर्व प्रमुख कासिम सुलेमानी के करीबी थे, जिन्हें जनवरी 2020 में बगदाद में अमेरिका ने मार डाला था।
- जनरल ज़ाहेदी ने लेबनान और सीरिया में आईआरजीसी के संचालन का निरीक्षण किया, जहां शिया मिलिशिया को समर्थन के माध्यम से ईरान का महत्वपूर्ण प्रभाव है।
- 1 अप्रैल को, जनरल ज़ाहेदी और आईआरजीसी के अन्य लोग दमिश्क, सीरिया में ईरान के दूतावास में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे।
- **उनकी गतिविधियों पर इज़राइल द्वारा नज़र रखी गई, जिसके कारण दूतावास परिसर पर हवाई हमला हुआ जिसमें जनरल ज़ाहेदी और उनके सहयोगी मारे गए।**
- ईरान और सीरिया दोनों ने हमले के लिए इज़राइल को दोषी ठहराया, हालाँकि इज़राइल ने न तो अपनी संलिप्तता की पुष्टि की और न ही इनकार किया।
- जनरल ज़ाहेदी की मृत्यु ईरान के लिए एक महत्वपूर्ण क्षति थी, जो जनरल सुलेमानी की हत्या के बाद दुश्मन की गोलीबारी में मारे गए सर्वोच्च रैंक वाले सैन्य व्यक्ति को चिह्नित करती है।

- हाल ही में सीरिया में इजरायली हमलों में कई अन्य आईआरजीसी कमांडर मारे गए हैं, जिससे ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ गया है।
- कथित मोसाद ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ईरान के जवाबी मिसाइल हमलों के बावजूद, इज़राइल ने आईआरजीसी कमांडरों को निशाना बनाना जारी रखा, जिससे ईरान पर जवाब देने का दबाव बढ़ गया।

चढ़ाव

- **आईआरजीसी या इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की स्थापना 1979 की क्रांति के बाद ईरान में की गई थी।**
- **इसका मुख्य लक्ष्य अयातुल्ला खुमैनी के नेतृत्व वाले क्रांतिकारी शासन और उसकी धार्मिक-संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा करना था।**
- शुरुआत में ईरान की नियमित सेना की वफादारी को लेकर चिंताओं के कारण बनाई गई आईआरजीसी बाद में 1980 से 1988 तक ईरान-इराक युद्ध के दौरान एक दुर्जेय शक्ति बन गई।
- खुमैनी ने आईआरजीसी को "इस्लाम के सैनिक" के रूप में संदर्भित किया, जो पादरी और क्रांति के प्रति उनकी निष्ठा को उजागर करता है।
- ईरान की नियमित सेना के साथ, आईआरजीसी क्रांतिकारी शासन की रक्षा करने और विदेशी और सुरक्षा नीतियों को प्रभावित करने के लिए काम करती है।
- सीधे सर्वोच्च नेता द्वारा निर्देशित, **आईआरजीसी में एक सैन्य विंग, एक विदेशी परिचालन इकाई जिसे कुद्स फोर्स कहा जाता है, और एक नागरिक स्वैच्छिक संगठन जिसे बासिज के नाम से जाना जाता है, शामिल हैं ।**
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के अनुसार, आईआरजीसी लगभग 190,000 प्रशिक्षित सैनिकों को कमांड करता है, जो ईरान की नियमित सेना का लगभग आधा आकार है।
- **होर्मुज जलडमरूमध्य** सहित ईरान की समुद्री सीमाओं पर नियंत्रण के कारण नौसेना को विशेष रूप से शक्तिशाली माना जाता है।
- मार्च 2007 में, आईआरजीसी नौसेना की कार्रवाइयों के कारण ईरान और ब्रिटेन के बीच राजनयिक संकट पैदा हो गया जब उन्होंने 15 ब्रिटिश नाविकों को हिरासत में ले लिया।
- कुद्स फोर्स मुस्लिम पवित्र स्थलों को कब्जे से मुक्त कराने और पश्चिम एशिया में शिया प्रभाव के नेटवर्क के निर्माण पर केंद्रित है।
- इस क्षेत्र में ईरान का शक्तिशाली सहयोगी हिजबुल्लाह, आईआरजीसी के समर्थन से, 1982 में इजरायली आक्रमण के बाद लेबनान में गठित एक इस्लामी प्रतिरोध समूह से उत्पन्न हुआ था।

प्रतिरोध की धुरी

- 2020 में अपनी मृत्यु तक जनरल कासिम सुलेमानी के नेतृत्व में कुद्स फोर्स ने 2003 के आक्रमण के बाद अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ इराक में शिया प्रतिरोध का समर्थन करने में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की।
- सीरियाई गृहयुद्ध के दौरान, कुद्स फोर्स ने शिया पवित्र स्थलों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया और बाद में राष्ट्रपति असद के शासन को मजबूत करने के लिए रूस और हिजबुल्लाह के साथ सीरियाई शासन बलों के साथ लड़ाई लड़ी।

- **ईरान इस क्षेत्र में विभिन्न इस्लामी मिलिशिया समूहों का समर्थन करता है, जो "प्रतिरोध की धुरी" के रूप में जाना जाता है, जिसमें हमास, इस्लामिक जिहाद, हौथिस, हिजबुल्लाह और इराक और सीरिया में शिया लामबंदी ब्रिगेड शामिल हैं।**
- मेजर जनरल होसैन सलामी वर्तमान में कुद्स फोर्स का नेतृत्व करते हैं, जो आईआरजीसी की कमान के तहत काम करता है, जिसे अमेरिका द्वारा आतंकवादी इकाई के रूप में नामित किया गया है।
- इज़राइल ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को एक सुरक्षा खतरे के रूप में देखता है और इसका मुकाबला करना चाहता है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और छाया युद्ध बढ़ रहे हैं।
- **आईआरजीसी खुद को प्रतिद्वंद्वियों से घिरा हुआ देखता है, जिसमें खाड़ी, इज़राइल और अमेरिका में सुन्नी राजतंत्र शामिल हैं, जिन्हें वह "महान शैतान" के रूप में संदर्भित करता है।**
- ईरान की क्रांति की रक्षा करने और सुरक्षा चुनौतियों पर काबू पाने के लिए, आईआरजीसी छद्म लड़ाइयों के माध्यम से असममित युद्ध में संलग्न है, जिसने इज़राइल के साथ तनाव बढ़ा दिया है और क्षेत्र को खुले संघर्ष के करीब ला दिया है।

बिल्कुल सामान्य (14 अप्रैल)

जैसे-जैसे हम जीवन के हर पड़ाव को पार करते हैं, सामान्य स्थिति को लेकर हमारी चिंताएँ बनी रहती हैं

- "सामान्य" संघर्ष, अनिश्चितता, बीमारी और अन्य व्यवधानों की अनुपस्थिति का प्रतीक है।
- स्वास्थ्य, शिक्षा और रिश्तों जैसे पहलुओं के लिए जीवन के हर चरण पर ध्यान दिया जाता है।
- उदाहरणों में बच्चे के जन्म के समय सामान्य प्रसव की चिंता, चिकित्सा जांच, शैक्षणिक और करियर में सफलता और वित्तीय स्थिरता शामिल हैं।
- माता-पिता की उम्मीदें अक्सर बच्चे के सामान्य विकास की चिंता से लेकर माता-पिता के सपनों को हासिल करने के दबाव तक बदल जाती हैं।
- असाधारण लाभ के बजाय उचित आय प्रवाह की इच्छा।
- "सामान्य" की परिभाषा समय के साथ विकसित होती है, जो सामाजिक मानदंडों और प्रौद्योगिकी से प्रभावित होती है।
- मोबाइल फोन और सोशल मीडिया जैसी प्रौद्योगिकी, संचार और संबंध प्रबंधन को सरल बनाती है।
- निष्कर्ष: "सामान्य" की तलाश व्यक्तियों और समाजों में अलग-अलग होती है, विशेष रूप से संचार और रिश्तों में प्रौद्योगिकी के मानदंडों को नया आकार देने के साथ।